

corresponding Central Civil Services and posts and shall enjoy all the benefits being made applicable to the latter category of employees of Central Government. During the year 1970 it was decided to grant Central scales of pay and allowances including Dearness Pay and other allowances, to the employees of the Government of Pondicherry with effect from 6th March, 1970, vide letter No. F.9/1/70/UTR dated 8th September, 1970 of the Central Ministry of Home Affairs. Presently Pondicherry is under the rule making authority of the President of India.

The Government of India has already implemented the order about the payment of bonus to the Central Government employees. Unfortunately, this benefit, which should have been automatically extended to the employees of the Government of Pondicherry, has not yet been extended to them. The Pondicherry Government employees' legitimate expectations of getting Bonus should be fulfilled by the Centre. The Government of India's bonus order should be extended to the Union Territory of Pondicherry which is under the President's rule now and the Government employees be enabled to get bonus.

(iii) Need to constitute a National Council for Development of Scientific Outlook in the Country

श्री बी० डी० सिंह (फूलपुर) : सभापति महोदय, आज देश जिन समस्याओं से अधिक आक्रान्त है, उनकी जटिलता के लिए उत्तरदायी कारणों में वैज्ञानिक मनोवृत्ति का अभाव प्रमुख कारण रहा है। 35 साल की आजादी के बाद भी हम देश में वैज्ञानिक मनोवृत्ति को विकसित एवं सशक्त करने में पूर्णतया असफल रहे हैं या हमने कोई सुनियोजित प्रयास ही नहीं किया। परिणामस्वरूप आज समाज में पाखंडी प्रवृत्तियों, अंधविश्वासों एवं चमत्कारी मान्यताओं का बोलबाला है। देश के न केवल करोड़ों अशिक्षित श्रमशील नागरिकों का ही धर्म के नाम पर अंधविश्वासों, दकियानूसी विचारों एवं पाखंडी प्रवृत्तियों द्वारा शोषण हो रहा है,

वरन् शिक्षित लोग भी उन जंजालों से मुक्ति नहीं पा रहे हैं। आज भी देश में देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए तर बलि तक दी जा रही है तथा भोली-भाली बालिकाओं को देवदासियों की नारकीय यातनायें सहने के लिए बाध्य किया जा रहा है। विडम्बना तो यह है कि एक अशिक्षित अंधविश्वासी व्यक्ति शिक्षित अंधविश्वासी व्यक्ति एवं एक अशिक्षित सम्प्रदायवादी व्यक्ति शिक्षित साम्प्रदायवादी व्यक्ति बन रहा है। आज का प्रबुद्ध वर्ग भी साम्प्रदायिक निष्ठाओं से ओत-प्रोत है और उनकी सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियां भी उन्हीं निष्ठाओं से प्रभावित हैं। देश का सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक कायाकल्प करने के लिए वैज्ञानिक मानसिकता का विकास करना होगा।

अतएव मैं माननीया प्रधानमंत्री से निवेदन करूंगा कि देश में वैज्ञानिक मनोवृत्ति के अभ्युदय एवं विकास के लिए एक राष्ट्रीय परिषद का गठन किया जाए, जिसमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र के ऐसे लोगों का समावेश किया जाए, जो इसके प्रति आस्था रखते हैं। इस प्रकार सुनियोजित एवं व्यावहारिक नीति के आधार पर इस दिशा में अविलम्ब प्रयास प्रारम्भ किया जाये।

(iv) Non-implementing of the assurance given by management of the Cement Factory in Bilaspur (H.P.) regarding employment of local people therein

PROF. NARAIN CHAND PARASHAR (Hamirpur) : The sanction of a cement factory by the ACC at Barmana in Bilaspur District of Himachal Pradesh had raised high hopes among the local people regarding employment in the factory and also by the generation of other remunerative activities for gainful employment in the nature of transportation work etc. The people ousted from the site were expected to be rehabilitated properly before the factory went into production. However, the local people are bitterly disappointed as the management has failed to honour and implement the agreement and the assurances given to them by the management through the